

दादा खेडे तेरे नाम की खटक कसुती लागी स



दादा खेडे तेरे नाम की,
खटक कसुती लागी स,
ज्योत जगादी तेरी,
ज्योत जगादी स।bd।

हलवा पुरी खीर बनाके,
करया तेरा भंडारा हो,
रविवार न भक्ता का तेरे,
दर प पडरया लारा हो,
जो सच्चे दिल त आया,
उसकी सोई किस्मत जागी स,
ज्योत जगादी तेरी,
ज्योत जगादी स।bd।

शंकर का अवतार कहे तु,
सारे गाम का रुखाला हो,
बडी विता म पडया था दादा,
तने आण सभांला हो,
सुखा पडया था खेत मेरा तने,
सामण कि झडी लादी स,
ज्योत जगादी तेरी,
ज्योत जगादी स।bd।

दादा खेडे अपने दास प,
करिये एक उपकार हो,
मेरे अगंना फूल खिलादे,
सुणले मेरी पुकार हो,
मनै सूनी तनै बहोत घण्या की,
कुल की बेल चलादी स,
ज्योत जगादी तेरी,
ज्योत जगादी स।bd।

सोमपाल न कर कविताइ,
छंद कसुता टोलिया,
समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल
एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरूर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - <https://www.bhajandiary.com>



बिट्टू कालखा के भजना न,
मन मेरा यो मोह लिया,
गुरु सतराम न साज बजाके,
भवन म धूम मचादी स,
ज्योत जगादी तेरी,
ज्योत जगादी स।bd।

दादा खेडे तेरे नाम की,
खटक कसुती लागी स,
ज्योत जगादी तेरी,
ज्योत जगादी स।bd।

गायक / प्रेषक – बिट्टू कालखा ।
9991446855
